खबर संक्षेप

श्रीमद्भागवत महापुराण राधारमण मन्दिर

सतना। ग्राम - झिंगोदर जिला - सतना में तृतीय दिवस की कथा में कथा व्यास श्री सतीश कृष्णचंद्र शास्त्री जी ने माता सती की कथा जोकि हिंदू पौराणिक कथाओं का एक अत्यंत पवित्र और भावुक प्रसंग है। यह देवी सती के भगवान शिवजी के प्रति अटूट प्रेम और अपने पिता राजा दक्ष के अहंकार के कारण हुए अपमान और उनके द्वारा अपने प्राणो की आहूति देने की कहानी है। कथा में भक्तों का जनसैलाब उमड़ रहा है। कथा व्यास जी ने ध्रुव चरित्र में माता स्वरुचि ने जो ध्रुव महाराज को अपने पिता की गोद में न बैठने देना तथा कथावाचक श्री सतीश चंद्र शास्त्री जी ने चतुर्थ दिवस की कथा जड़ भरत चरित्र, पुरस्वान उपाख्यान, वामन भगवान, गजेंद्र मोक्ष, बलि महाराज, संक्षिप्त राम कथा एवं जब इस धरा पर अधर्म बढ़ता है तो भगवान को अवतार लेना पड़ता है। कथा में व्यास पीठ का पूजन-श्री लक्ष्मण प्रसाद अग्रहरि, संतोष अग्रहरि, प्रदीप अग्रहरि, ब्रजेश, प्रदीप, प्रमोद, राजा भैया एवं समस्त अग्रहरि परिवार।

खुली नहर में गिरने से युवक गंभीर घायल

मैहर। मैहर जिले के डेल्हा गांव में रविवार रात एक बड़ा हादसा हो गया। खुले पड़ी नहर में गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार डेल्हा निवासी आर्यन कोल पिता सुखिलाल कोल उम्र 20 वर्ष रविवार रात करीब 8 बजे शौच के लिए घर से बाहर गया था। इसी दौरान अंधेरे में उसका पैर फिसल गया और वह खुली नहर में जा गिरा। हादसे में युवक को गंभीर चोटें आईं और वह बुरी तरह घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा घायल युवक को तत्काल मैहर अस्पताल पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया,जहां उसका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर के आसपास किसी प्रकार की बैरिकेडिंग या सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार सुरक्षा इंतजाम की मांग की गई,लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया गया। घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने प्रशासन से नहर किनारे सुरक्षा बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेत लगाने की मांग की है,ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

खनिज विभाग ने 4 हाइवा किए जब्त

मैहर। जिले के रामनगर क्षेत्र में रेत के अवैध खनन और परिवहन पर पुलिस की मदद से खनिज अमले ने 4 हाइवा जब्त कर प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं,जिन पर शीघ्र ही जुर्माने के निर्धारण की कार्रवाई की जाएगी। सहायक खनिज अधिकारी आशुतोष मिश्रा ने बताया कि रविवार की सुबह मुखबिर से मिली सूचना पर ग्राम कुबरी में दबिश देकर जांच-पड़ताल की गई तो हाइवा क्रमांक एमपी 18 एच 5310, एमपी 18जेडई 8653,डब्ल्यूबी 39बी 9283 और एक बिना नंबर का हाइवा रेत से लोड मिले,मगर जब वाहन चालकों से रेत खनन और परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए तो किसी के पास कोई कागज नहीं मिला।

रामनगर थाने में खड़े कराए गए वाहन - ऐसे में चारों वाहनों को जब्त कर रविवार की देर शाम रामनगर थाने में खड़े कराते हुए खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं,जिनके प्रतिवेदन शीघ्र ही कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।इस कार्रवाई में रामनगर थाना इंचार्ज विजय त्रिपाठी और उनकी टीम ने अहम भूमिका निभाई। गौरतलब है कि कुबरी में काफी समय से रेत के अवैध खनन और परिवहन की शिकायतें मिलती रहीं हैं,जिन पर गाहे-बगाहे कार्रवाई भी होती है,मगर खनिज माफिया कुछ दिन शांत रहने के बाद फिर सक्रिय हो जाता है।

पुलिस आपके द्वारा का आयोजन आज

मैहर। रीवा जोन के मुखिया गौरव राजपूत के निर्देशन में रीवा संभाग के जिलों रीवा,सतना,सीधी मऊगंज, मैहर के समस्त थानों एवं चौकियों में मंगलवार शाम 4:30 बजे से 6 बजे तक जन चौपाल 02 आपकी पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

अफसरों की 'इंजीनियरिंग' फेल, ठेकेदार की मनमानी से पूरा बाजार बेहाल

जय स्तंभ से गौशाला चौक तक रेस्टोरेशन के नाम पर खानापूर्ति; धूल के गुबार और उड़ती गिट्टियों के बीच हिचकोले खा रहे वाहन

सतना।

नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत मुख्य बाजार क्षेत्र में कराया गया रेस्टोरेशन का कार्य ठेकेदार की लापरवाही और विभागीय अनदेखी की भेंट चढ़ गया है।जय स्तंभ चौक से लेकर गौशाला चौक और बिहारी चौक तक किए गए रेस्टोरेशन कार्य में दूर-दूर तक 'इंजीनियरिंग' नजर नहीं आ रही है। काम में सफाई न होने के कारण पूरी सड़क पर मलबा,गिट्टी और मिट्टी बिखरी पड़ी है,जिससे राहगीरों का आवागमन दूभर हो गया है।

सड़क पर बारूद बनी गिट्टियां,धूल से सांस लेना हुआ दूभर

हालत यह है कि बाजार आने वाले लोग हिचकोले खाते हुए वाहन चलाने को मजबूर हैं।वाहनों के पहियों के नीचे आते ही गिट्टियां 'गोली' की तरह उचक रही हैं,जिससे लगातार हादसे की आशंका बनी हुई है और कई राहगीर चोटिल भी हो रहे हैं। इसके साथ ही,हवा और वाहनों के दबाव से उड़ रही धूल ने व्यापारियों और ग्राहकों का दम घोंट रखा है। ऐसा ही नजारा पुराना पावर हाउस चौक से लेकर पुराना नगर निगम तिराहे तक का है,जहाँ रेस्टोरेशन के नाम पर सिर्फ मिट्टी और गिट्टी का साम्राज्य फैला हुआ है।

कहीं घटिया काम,तो कहीं काम ही गायब

बाजार के दूसरे हिस्से की स्थिति और भी बदतर है। लालता चौक से लेकर दादू चुनाव वाला चौक और फूलचंद चौक इलाके में तो रेस्टोरेशन का काम छूना भी गनीमत नहीं समझा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस बेल्ट में पूर्व में जो रेस्टोरेशन किया गया था,वह इतना घटिया था कि पहली ही परीक्षा में उखड़ गया। अब नए सिरे से काम न होने से यह पूरा मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुका है।

ठेकेदार के रसूख के आगे 'मौन' हैं लोग

शहर के इस प्रमुख व्यावसायिक केंद्र में ठेकेदार की मनमानी को लेकर स्थानीय निवासियों और व्यापारियों में भारी नाराजगी है। लेकिन ठेकेदार के रसूख और सिस्टम के डर से कोई भी खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। दबी जुबान में लोग इस 'अंधेर नगरी चौपट राजा' जैसी व्यवस्था को कोस रहे हैं।

महापौर और निगमायुक्त से कार्रवाई की मांग

सड़क की इस दुर्दशा और कछुआ गति से चल रहे काम को लेकर अब जनता का धैर्य जवाब दे रहा है। नागरिकों ने महापौर और नगरनिगम आयुक्त से इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और लापरवाह ठेकेदार के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। देखना यह है कि निगम प्रशासन इस बदहाली पर कब जागता है या फिर जनता इसी तरह 'धूल और धक्कों' के साये में जीने को मजबूर रहेगी।

खेत की नरवाई की आग ने मचाई तबाही, किसान का आशियाना जलकर खाक

रामपुर बघेलान के चोरमारी गांव में हादसाः लाखों का गृहस्थी का सामान स्वाहा,दमकल ने बचाया आधा घर

सतना।

जिले के रामपुर बघेलान ब्लॉक अंतर्गत चोरमारी गांव में सोमवार दोपहर नरवाई (फसल के अवशेष) की आग ने भीषण तांडव मचाया। तेज हवाओं के चलते भड़की आग ने गांव के एक रिहाइशी मकान को अपनी चपेट में ले लिया,जिससे लाखों रुपये का गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दमकल की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

घर को धू-धू कर जलता देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। हालांकि,जब तक दमकल वाहन मौके पर पहुंचता,तब तक घर का आधा हिस्सा आग की लपटों में घिर चुका था। दमकल कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए करीब एक घंटे तक पानी की बौछारें कीं और आग को आगे बढ़ने से रोका। पीड़ित विजय द्विवेदी ने बताया कि दमकल अगर समय पर न पहुंचती तो पूरा मकान जमींदोज हो जाता और नुकसान कहीं ज्यादा बड़ा हो सकता था।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

घटना के बाद पीड़ित परिवार की शिकायत पर रामपुर बघेलान थाना पुलिस को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ नरवाई जलाने और लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन द्वारा नुकसान के आकलन के बाद पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की बात कही जा रही है।

अज्ञात की लापरवाही पड़ी भारी

जानकारी के अनुसार,चोरमारी गांव के एक खेत में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा नरवाई में आग लगाई गई थी। सोमवार दोपहर चल रही तेज हवाओं के कारण यह आग बेकाबू हो गई और देखते ही देखते गांव के रुपयटोला निवासी विजय द्विवेदी के घर तक पहुंच गई। सूखे पत्तों और लकड़ियों के संपर्क में आते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

इनका कहना है-

आगजनी में घर में रखा अनाज, भूसा, कपड़े, कीमती लकड़ियां,थ्रेसर और मोटर पूरी तरह जल गए हैं। हमारी जमा-पूंजी इस आग की भेंट चढ़ गई।

— विजय द्विवेदी
पीड़ित मकान मालिक

नौतपा के पहले ही दिन भट्टी की तरह तपा सतना, पारा 45 डिग्री के करीब, सड़कों पर पसरा सन्नाटा

सतना।

सूर्य देव के रौद्र रूप और 'नौतपा' के पहले ही दिन सतना जिले में भीषण गर्मी का प्रचंड प्रकोप देखने को मिला। सुबह से ही आसमान से बरसती आग और थपेड़े मारती गर्म हवाओं (लू) ने आम जन जीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। दोपहर होते-होते स्थिति यह हो गई कि शहर की मुख्य सड़कों और बाजारों में पूरी तरह सन्नाटा पसर गया और लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो गए।

मौसम विभाग के आंकड़ेः रात में भी राहत नहीं

मौसम विभाग से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक,नौतपा के पहले दिन तापमान ने इस सीजन के नए रिकॉर्ड छू लिए। अधिकतम तापमान 44.9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान, 29.0 डिग्री सेल्सियस,आर्द्रता 24% (सुबह) 13% (शाम) दर्ज किया गया। हवा में नमी (आर्द्रता) का स्तर गिरकर मात्र 13 फीसदी तक पहुंच जाने के कारण हवा बेहद शुष्क और झुलसाने वाली रही। न्यूनतम तापमान भी 29 डिग्री दर्ज होने से अब रातें भी बेहद गर्म और बेचैन करने वाली हो गई हैं।

दोपहर में कर्फ्यू जैसा नजारा,सड़कें रहीं सूनी

दिन के समय सूर्य की किरणें इतनी तीखी थीं कि खुली त्वचा को झुलसा रही थीं। जबरदस्त धूप और लू के चलते दोपहर 12बजे से शाम 4 बजे तक शहर के प्रमुख मार्ग जैसे सिविल लाइन,रीवा रोड और चौक -चौराहों पर आवाजाही ना के बराबर रही। जरूरी काम से बाहर निकले लोग भी चेहरे और सिर को सूती कपड़ों से ढके नजर आए। ठंडे पेय पदार्थों और गन्ने के रस की दुकानों पर ही थोड़ी-बहुत चहल-पहल देखी गई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार,नौतपा के आगामी दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की आशंका है। प्रशासन ने नागरिकों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने और खुद को हाइड्रेटेड रखने की सलाह दी है।

मैहर में नौतपा का कहर,बढ़ी मरीजों की संख्या

मैहर में नौतपा की शुरुआत के साथ ही भीषण गर्मी ने लोगों का जनजीवन प्रभावित करना शुरू कर दिया है। सोमवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,जबकि तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय सड़कें और बाजार लगभग सूने नजर आए। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। भीषण गर्मी के चलते जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उल्टी-दस्त,डिहाइड्रेशन और तेज बुखार जैसी समस्याओं से पीड़ित मरीज उपचार के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। इस बीच मैहर जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ.आर.एन.पांडे ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना जताई है,जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध का मामलाः हड़ताल से दूरी बनाने वाले रेड क्रॉस दवा संचालक ने मांगी माफी

सतना।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में पिछले दिनों दवा विक्रेताओं द्वारा राष्ट्रव्यापी आह्वान पर एक दिवसीय हड़ताल रखी गई थी। इस दौरान सतना जिले के भी सभी दवा संचालकों ने अपनी दुकानें स्वेच्छा से बंद रखकर विरोध दर्ज कराया था और कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था। लेकिन इस आंदोलन के दौरान शहर के मुख्य अस्पताल चौराहे पर स्थित 'रेड क्रॉस दवा दुकान' खुली रही थी,जिसे लेकर दवा विक्रेता संघ और अन्य दुकानदारों में भारी नाराजगी देखी गई। अब खबर आ रही है कि इस गतिरोध को दूर करने के लिए रेड क्रॉस दुकान संचालक द्वारा लिखित में खेद प्रकट किया गया है,जिसके बाद मामला शांत हुआ।

आंदोलन में सहयोग न करने पर संघ ने काटा था 'कलेक्शन'

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार,हड़ताल के दिन कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपने के बाद दवा विक्रेता संघ के पदाधिकारियों और संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई थी। बैठक में इस बात पर कड़ा ऐतराज जताया गया कि जब पूरा शहर बंद था,तब रेड क्रॉस दवा दुकान संचालक द्वारा आंदोलन में सहयोग नहीं किया गया,जो कि न्यायसंगत नहीं है। नाराजगी इस कदर बढ़ी कि स्थानीय थोक दवा विक्रेताओं और अन्य दुकानदारों ने रेड क्रॉस दुकान को दवाइयों की सप्लाई (माल देना) बंद कर दी।

कलेक्ट्रेट के अधीन होने का दिया था तर्क, स्टॉक खत्म होने पर बढ़े पैर

दवाइयों की सप्लाई रुकने के बाद रेड क्रॉस दुकान में जीवनरक्षक दवाओं का स्टॉक धीरे-धीरे खत्म होने लगा। जब संचालक को कहीं से दवाइयां नहीं मिलीं,तो समिति और संचालक की परेशानियां बढ़ गईं। शुरुआत में दुकान संचालक का तर्क था कि यह दुकान रेड क्रॉस सोसाइटी (कलेक्ट्रेट और कलेक्टर) के अधीन संचालित होती है,इसलिए शासकीय नियमों और जनहित को देखते हुए इसे बंद नहीं किया गया था। हालांकि,जब दवाइयों के अभाव में दुकान बंद होने की कगार पर पहुंच गई,तब संचालक को अपनी गलती का अहसास हुआ।

व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल हुआ 'माफीनामा'!

सूत्रों का दावा मामले को सुलझाने के लिए दवा विक्रेता संघ और वरिष्ठ दुकान संचालकों ने रेड क्रॉस दुकान संचालक से एक लिखित माफीनामा (खेद पत्र) लिया। इसमें हड़ताल में शामिल न होने और साथी दुकानदारों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने पर खेद व्यक्त किया गया था। चर्चा है कि इस माफीनामे को दवा विक्रेताओं के आपसी व्हाट्सएप ग्रुप में भी साझा किया गया। हालांकि,इस पूरे घटनाक्रम और लिखित माफीनामे को लेकर दवा विक्रेता संघ या रेड क्रॉस समिति के किसी भी पदाधिकारी ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।लेकिन बाजार के कुछ प्रमुख दवा संचालकों ने अनौपचारिक बातचीत में पुष्टि की है कि रेड क्रॉस संचालक द्वारा खेद प्रकट करने और भविष्य में संगठन के साथ खड़े रहने के आश्वासन के बाद ही उन्हें दोबारा दवाओं की सप्लाई शुरू की गई है।

विंध्य की राजनीति में नया मोड़ः जीतू पटवारी का 'जन संवाद' और कांग्रेस की जमीनी घेराबंदी

सतना। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी का विंध्य क्षेत्र में लगातार सक्रिय होना और 'जन संवाद कार्यक्रम' का आयोजन करना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस अब इस पारंपरिक रूप से मजबूत भाजपा गढ़ में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम कर रही है। पिछले दिनों भी उनके दौरों और विभिन्न कार्यक्रमों में उमड़ी भीड़ ने स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को गरमा दिया है।

नेताओं के बजाय सीधे जनता से जुड़ाव

इस जन संवाद कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि कांग्रेस इस बार केवल बड़े स्थानीय क्षत्रपों के भरोसे रहने के बजाय सीधे आम नागरिकों और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद कर रही है। पटवारी का जनता के बीच जाकर सीधे मिलना उनके 'कनेक्ट' को मजबूत कर रहा है।

भाजपा के गढ में सेंधमारी

विंध्य क्षेत्र (रीवा,सतना,सीधी,सिंगरौली) पिछले कुछ चुनावों से भाजपा का अभेद्य किला रहा है। जीतू पटवारी का यहां बार-बार आना यह दर्शाता है कि कांग्रेस सत्ता विरोधी लहर और स्थानीय जन-समस्याओं (जैसे पानी,बिजली और रोजगार) को सीधे उठाकर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

पार्टी के भीतर नई ऊर्जा का संचार

गुटबाजी से जूझती आ रही विंध्य कांग्रेस के लिए प्रदेश अध्यक्ष की यह सक्रियता एक 'संजीवनी' की तरह है। इससे न केवल बिखरे हुए कार्यकर्ता एकजुट हो रहे हैं,बल्कि नए दौर की आक्रामक राजनीति की शुरुआत भी हो रही है। जीतू पटवारी के इन दौरों से विंध्य की राजनीति में तुरंत कोई बड़ा उलटफेर भले न दिखे,लेकिन यह 'जन संवाद' आने वाले समय में भाजपा के एकतरफा दबदबे को कड़ी चुनौती देने और विंध्य के राजनीतिक परिदृश्य को एक नया त्रिकोणीय या कड़ा मुकाबला देने की नींव जरूर रख रहा है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में धीरज पाण्डेय की बड़ी घोषणा, कहा पैसों की कमी प्रतिभावानों की पढ़ाई में नहीं बनेगी बाधक

मैहर।

मां कर्मा साहू समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में माई के रसोई के संचालक धीरज पाण्डेय ने छात्र हित में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि किसी भी प्रतिभा का बाधक पैसा नहीं बनने देंगे। प्रतिभावान छात्र छात्राएं खूब पढ़े आगे बढ़े,उनकी पढ़ाई में पैसों की कमी को बाधक नहीं बनने देंगे। मेरे मैहर की हर प्रतिभा अपने माता पिता कुल परिवार का नाम रोशन करे देश प्रदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएं धीरज पाण्डेय के रहते किसी भी प्रतिभावान छात्र छात्रा के सामने पढ़ाई में पैसे को बाधक नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा कि मैहर माई सरस्वती की नगरी है हम सभी का सौभाग्य है कि इस नगरी में हमे सेवा का मौका मिला,मेरी सभी लोगों से अपील है कि यह मानव तन बार बार नहीं मिलता इसलिए जितना जिससे हो सके जन सेवा के लिए समर्पित करें यही हमारे जीवन की बड़ी उपलब्धि होगी।

खबर संक्षेप

बाइक में साड़ी फंसने से महिला गिरकर घायल

अमानगंज। अस्पताल में उपचार के बाद रेफर अमानगंज क्षेत्र के मढ़िया हिनौता गांव के पास सोमवार सुबह एक महिला बाइक से गिरकर घायल हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक में साड़ी फंस जाने के कारण हादसा हुआ।घायल महिला की पहचान अनुराधा चौधरी पति विजय चौधरी उम्र 38 वर्ष निवासी अहरी थाना देवेन्द्रनगर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार महिला घर से तिघरा जा रही थी, तभी रास्ते में उसकी साड़ी बाइक में फंस गई और वह गिरकर घायल हो गई।घटना के बाद परिजनों द्वारा महिला को अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

शशिकांत दीक्षित पुनः जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नियुक्त

पन्ना। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी 52 सदस्यीय सूची में स्थानीय कांग्रेस नेता शशिकांत दीक्षित श्सरदार जी्श को पुनः जिला कांग्रेस कमेटी, पन्ना का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि शशिकांत दीक्षित अपने पूजनीय पिता स्व. सुधाकर दीक्षित सुद्धू भैया की विचारधारा और सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए समाज के सभी वर्गों के लिए न्याय और समृद्धि की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नेताओं ने दीक्षित की संगठनात्मक कुशलता और क्षेत्रीय पकड़ को पार्टी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण बताया। नवागत उपाध्यक्ष शशिकांत दीक्षित ने कहा, ष्मैं पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने, युवाओं और किसानों की समस्याओं के समाधान तथा आगामी चुनावी चुनौतियों के मद्देनजर संगठन को चुस्त-दुरुस्त रखने में पूरी निष्ठा से काम करूंगा।ष्शशिकांत दीक्षित इसके पूर्व अनेक पदों पर रहे इसमें जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष महामंत्री युवा कांग्रेस सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष आदि।

कौवा सेहा के जंगल में तेंदुए का मिला कंकाल

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व अंतर्गत बफर रेंज में एक तेंदुआ का पुराना कंकाल बरामद हुआ है वन विभाग की टीम द्वारा मामले की जानकारी फॉरेस्ट अधिकारियों को दी गई जानकारी मिलते हैं वन अधिकारी तथा डॉग स्क्वैड की टीम द्वारा क्षेत्र का भ्रमण किया तथा पुराना कंकाल जप्त किया संबंधित मामले की जांच की जा रही है आखिर किन परिस्थितियों में तेंदुआ का कंकाल मिला है।

गुनौर में धड़ल्ले से चल रहे अवैध बोरवेल

गुनौर- नगर के मुख्य मार्गों और रिहायशी इलाकों में इन दिनों खुलेआम अवैध बोरवेल खनन का खेल जारी है। दिन हो या रात, भारी-भरकम बोर मशीनें सड़कों और गलियों में धड़ल्ले से चल रही हैं, लेकिन जिम्मेदार प्रशासन मानो गहरी "कुंभकर्णी नींद" में सोया हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शासन द्वारा भूजल संरक्षण और बोर खनन को लेकर सख्त नियम बनाए गए हैं, इसके बावजूद गुनौर नगर में बिना अनुमति बोरवेल कराए जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि मुख्य मार्गों पर खुलेआम मशीनें चल रही हैं, फिर भी प्रशासनिक अमले को इसकी भनक तक नहीं लग रही* या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली गई हैं? नगरवासियों का कहना है कि लगातार गिरते भूजल स्तर के बावजूद नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यदि यही हाल रहा तो आने वाले समय में गुनौर क्षेत्र भी भीषण जल संकट की चपेट में आ सकता है।

गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने किया पन्ना के तालाबों का निरीक्षण

पन्ना में शुरू हुआ तालाब पुनर्जीवित कार्यक्रम

सांसद वीडी शर्मा, प्रभारी मंत्री, विधायक समेत जनप्रतिनिधि, सामाजिक और औद्योगिक संस्थाएं तालाब को लेंगी गोद

पन्ना के सभी 16 तालाब होंगे पुनर्जीवित, जन सहयोग से भी होगा साफ सफाई और गहरीकरण

विधायक और जनप्रतिनिधियों के साथ ई स्कूटी पर पन्ना में तालाबों का निरीक्षण करने निकले सांसद वीडी शर्मा

पन्ना

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने पन्ना नगर के सभी 16 तालाबों का ई वी स्कूटी से निरीक्षण किया

वीडी शर्मा ने विभिन्न तालाबों एवं जल संरचनाओं का विस्तृत निरीक्षण कर संरक्षण कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने तालाबों की साफ-सफाई, गहरीकरण, जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने तथा सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सांसद और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल स्त्रोतों का संरक्षण और संवर्धन अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करना तथा लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।निरीक्षण के दौरान सांसद ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तालाबों में जलभराव क्षमता बढ़ाने, आसपास स्वच्छता बनाए रखने एवं अतिक्रमण हटाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देकर जल संकट की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

विधायक विजय बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा बेनी सागर तालाब नगर के मध्य में स्थित है यहां पर बहुत जल्द ही पेड़ पौधे लगाकर पार्क के रूप में इसे विकसित किया जाएगा और आम जनता से इसे जोड़कर जन सहयोग से भी विकसित किया जाएगा

निरीक्षण के निरीक्षण के दौरान निर्णय लिया गया कि पन्ना के सभी 16 तालाब को जनप्रतिनिधि सामाजिक और औधोगिक संस्थाएं गोद लेंगीताकि पन्ना के तालाबो का संरक्षण, सौंदरीयकरण आसपास पार्कों का विकास किया जा सके.जनसहयोग से गहरीकरण और साफ़ सफाई का अभियान चलाया जाएगा।

कटरा-पटना तमोली बायपास में अवैध उत्खनन का खेल?

मौत के गड्ढों में बदल रही मिट्टी खदानें, राजस्व हानि और जनसुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

पन्ना। एनएच-943 के अंतर्गत निर्माणाधीन कटरा-पटना तमोली बायपास मार्ग एक बार फिर गंभीर विवादों में घिर गया है। लगभग तीन किलोमीटर लंबे इस बायपास निर्माण में उपयोग हो रही मिट्टी को लेकर ग्रामीणों ने अवैध उत्खनन, राजस्व चोरी और जनसुरक्षा से खिलवाड़ जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। क्षेत्र में जगह-जगह खोदे गए विशालकाय गड्ढे अब ग्रामीणों के लिए भय और खतरे का कारण बनते जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बायपास निर्माण के नाम पर जंगल और बस्तियों से लगे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मिट्टी निकाली जा रही है, लेकिन खुदाई के बाद सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए। खुले गड्ढे बरसात के दौरान जलभराव का रूप लेकर किसी बड़े हादसे को आमंत्रण दे सकते हैं। लोगों को अब भी वह दर्दनाक घटना याद है, जब रीछुल क्षेत्र में अवैध उत्खनन से बने गहरे गड्ढे में डूबकर एक ही परिवार की तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई थी। आज फिर वैसी ही स्थिति बनती दिखाई दे रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग और प्रशासन अब तक मौन है।

गरीब बस्तियों पर मंडरा रहा खतरा- पटना तमोली क्षेत्र में गरीब परिवारों की बस्ती के पीछे और जंगल से लगे हिस्सों में बड़े पैमाने पर मिट्टी खोदी गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि बरसात में इन गड्ढों के कारण भूमि धंसान और घरों के ढहने का खतरा बढ़ जाएगा। साथ ही जंगली जानवरों की आवाजाही भी बढ़ सकती है, जिससे पशुधन और आम नागरिकों की सुरक्षा प्रभावित होगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी द्वारा केवल मिट्टी ढोने पर ध्यान दिया जा रहा है, जबकि उत्खनन स्थलों की सुरक्षा, भराई और सीमांकन जैसी मूलभूत जिम्मेदारियों की अनदेखी की जा रही है।

कहां से आई हजारों ट्रॉली मिट्टी? सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि लगभग 70 मीटर चौड़ी और करीब एक मीटर ऊंचाई तक बनाई जा रही सड़क के लिए इतनी बड़ी मात्रा में मिट्टी आखिर कहां से लाई गई? क्या इसके लिए वैध खनन अनुमति ली गई थी? क्या रॉयल्टी जमा की गई? ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने मांग उठाई है कि पूरे बायपास निर्माण की तकनीकी और राजस्व जांच कराई जाए। यह भी पता लगाया जाए कि किन स्थानों से मिट्टी निकाली गई, कितनी मात्रा में उत्खनन हुआ और शासन को कितना राजस्व नुकसान पहुंचा।

मिट्टी की गुणवत्ता और निर्माण मानकों पर भी सवाल- स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल मिट्टी की मात्रा ही नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता और घनत्व की भी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। यदि निर्माण में मानकविहीन मिट्टी का उपयोग किया गया है तो भविष्य में सड़क की गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों प्रभावित हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में उपयोग होने वाली मिट्टी का परीक्षण, घनत्व माप और तकनीकी स्वीकृति अनिवार्य प्रक्रिया होती है।

जैन समाज ने साधु-संतों की सुरक्षा और निष्पक्ष जांच के लिए सौंपा ज्ञापन, राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति की मांग

गुनौर।

क्षेत्र में जैन साधु-संतों की सुरक्षा और हाल ही में हुई एक दुखद घटना की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर जैन समाज मुखर हो गया है। समाज के सैकड़ों लोगों ने तहसील कार्यालय गुनौर पहुंचकर नायब तहसीलदार राजेश मेहरा को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में घटना की बारीकी से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। दुर्घटना मानने से इनकार, साजिश की आशंका नायब तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापन में जैन समाज ने स्पष्ट किया कि इस घटना को महज एक सामान्य दुर्घटना मानकर रफा-दफा नहीं किया जा सकता। स्थानीय तथ्यों और समाज के बीच चल रही चर्चाओं के कारण लोगों में गहरा आक्रोश और असुरक्षा का माहौल है। समाज का मानना है कि इस मामले के पीछे कोई बड़ी साजिश हो सकती है, जिसकी पारदर्शी और निष्पक्ष जांच होना बेहद जरूरी है।

समाज की प्रमुख मांगें-

एसआईटी या न्यायिक जांचरू मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) या न्यायिक आयोग से कराई जाए।डिजिटल साक्ष्यों की सुरक्षारू घटना स्थल और उसके आसपास के सभी सीसीटीव्ही फुटेज और डिजिटल सबूतों को तुरंत सुरक्षित किया जाए। राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीतिरू देशभर में पदविहार करने वाले साधु-संतों के लिए विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल और एक मजबूत राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति लागू की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान जैन समाज की एकजुटता देखने को मिली। इस मौके पर जैन समाज गुनौर के अध्यक्ष प्रबल जैन, संजय जैन, राजू जैन, धर्मेंद्र जैन, मनीष जैन, विनय कुमार जैन, अतुल जैन, नरेंद्र जैन, गुड्डा जैन, राहुल जैन और स्वप्निल जैन सहित बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं बच्चे और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

ईद-उल-अजहा की तैयारियां पूरी, पवई में तीन हजार से अधिक मुस्लिम अदा करेंगे नमाज

पवई

आगामी 28 मई को मनाए जाने वाले ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को लेकर पवई क्षेत्र में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बताया कि सुबह 8 बजे बड़ी पवई जामा मस्जिद में ईद की नमाज अदा की जाएगी, जबकि सुबह 8रू45 बजे नन्ही पवई में सामूहिक नमाज का आयोजन होगा। नमाज के बाद लगभग 10 बजे से धार्मिक परंपराओं के अनुसार कुर्बानी की प्रक्रिया प्रारंभ होगी तथा इसके पश्चात आपसी भाईचारे और मेल-मिलाप के साथ दावतों का दौर चलेगा। यह सिलसिला ईद के बाद भी अगले दो दिनों तक जारी रहेगा। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बताया कि ईद पर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग नमाज अदा करने पहुंचते हैं, लेकिन बड़ी पवई जामा मस्जिद के सामने वर्षों से नाली व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर गंदा पानी बहता रहता है। जलभराव और गंदगी की समस्या के चलते श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। समुदाय के लोगों का कहना है कि रमजान माह के दौरान भी नाली के पानी ने धार्मिक आयोजनों में व्यवधान उत्पन्न किया था। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मस्जिद क्षेत्र में शीघ्र नाली निर्माण कर स्थायी समाधान किया जाए, जिससे त्योहारों के दौरान लोगों को असुविधा न हो। जानकारी के अनुसार पवई नगर में बड़ी पवई, नन्ही पवई जामा मस्जिद एवं सहित दोनों स्थानों पर लगभग तीन हजार मुस्लिम समाज के लोग ईद की नमाज अदा करेंगे। इसके अलावा कृष्णगढ़, मुड़वारी, हथकुरी और बिरसिंहपुर सहित आसपास के गांवों में भी ईद-उल-अजहा का पर्व धार्मिक उत्साह और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाएगा। त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन भी सक्रिय है। थाना प्रभारी सुशील कुमार ने मुस्लिम समुदाय सहित सभी नागरिकों से प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से कुर्बानी खुले स्थानों पर नहीं करने तथा साफ-सफाई और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने का आग्रह किया। साथ ही सभी समुदायों से आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक समरसता के साथ पर्व मनाने की अपील की है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने का अनुरोध किया है।

गंगा दशहरा पर पन्ना से उठा जल संरक्षण का जनसंकल्प

महाराज सागर तालाब में हजारों हाथों के साथ वीडी शर्मा,बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने भी किया श्रमदान

पन्ना।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर पन्ना में आयोजित "जल गंगा संवर्धन अभियान" केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण का विराट संदेश बनकर सामने आया। महाराज सागर तालाब में आयोजित जिला स्तरीय श्रमदान कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने एकजुट होकर जल संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शामिल वीडी शर्मा और बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने जल बचाने को भविष्य बचाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित "जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत रविवार को नगर पालिका क्षेत्र के ऐतिहासिक महाराज सागर तालाब में जिला स्तरीय भव्य श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। गंगा दशहरा के अवसर पर हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता कर जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने श्रमदान में भाग लेते हुए कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा सबसे बड़ा अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।उन्होंने कहा,"तालाब, कुएं और नदियां केवल जल स्त्रोत नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और सभ्यता की पहचान हैं। यदि जल समाप्त हुआ तो भविष्य भी संकट में पड़ जाएगा। इसलिए हर व्यक्ति को जल बचाने का संकल्प लेना होगा।"पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि पन्ना की ऐतिहासिक पहचान उसके जल स्त्रोतों और प्राकृतिक धरोहरों से रही है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानने की बजाय जनसहभागिता से जोड़ना होगा।उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "आज जिस प्रकार समाज का हर वर्ग जल संरक्षण के लिए एक मंच पर दिखाई दे रहा है, वह भविष्य के लिए शुभ संकेत है। यदि हम आज जल स्त्रोतों को बचाएंगे, तभी आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित रहेंगी।" कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा , नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मीना विष्णु पाण्डेय, कलेक्टर ऊषा परमार, जय प्रकाश चतुर्वेदी,राम अवतार बबलू पाठक, ऋषि बुंदेला, तरुण पाठक, लक्ष्मी यादव, भास्कर पाण्डेय, संतोष साहू, नरेन्द्र यादव, राकेश चौबे सहित कई भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं सामाजिक संगठन मौजूद रहे।महाराज सागर तालाब परिसर में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने श्रमदान कर साफ-सफाई की तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया। पूरे आयोजन के दौरान "जल है तो कल है", "हर बूंद अनमोल है" और "जल बचाओदृभविष्य बचाओ" जैसे नारों से वातावरण गूंजता रहा।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता देखने को मिली। आयोजन ने यह संदेश दिया कि जल संरक्षण केवल प्रशासनिक अभियान नहीं बल्कि सामाजिक चेतना का विषय है और समाज की भागीदारी से ही इसे सफल बनाया जा सकता है।

पेयजल समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर, पीएम श्रमयोगी मानधन योजना में सभी पात्र श्रमिकों के पंजीयन के निर्देश

पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार ने कहा है कि जिले में स्थानीय निकाय स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित कर पेयजल समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। पानी की समस्या संबंधी शिकायतों को पंजीबद्ध कर निराकृत करें और शिकायतकर्ता को भी निराकरण की कार्यवाही से अवगत कराया जाए। आगामी दिवसों में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरता के साथ पेयजल व्यवस्थाओं की सतत निगरानी एवं समीक्षा कर सुचारू व्यवस्थाओं के लिए अपेक्षित प्रयास के साथ कंट्रोल रूम एवं संपर्क नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार भी करें। जिला कलेक्टर द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में उक्ताशय के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए गए। इस मौके पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के साथ बिजली कंपनी के अधिकारी-कर्मचारियों को भी हमेशा सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। बैठक

में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के विभागीय बिंदुओं के क्रियान्वयन पर चर्चा कर मुख्य सचिव की गत बैठक के पालन प्रतिवेदन को अविलंब प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्रीमती परमार ने विभागीय अधिकारियों को शासकीय कार्यालयों में नियोजित एवं प्रतिमाह 15 हजार से कम वेतन प्राप्त करने वाले श्रमिक वर्ग कर्मचारियों का अनिवार्य रूप से प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन करवाने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अलावा जिले में नरवाई जलाने पर रोकथाम सहित उर्वरक उपलब्धता, नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास की स्थिति, वर्षाकाल के पहले आवारा गौवंश के विस्थापन, अवैध उत्खनन के विरूद्ध कार्रवाई, पोषण पुनर्वास केन्द्रों में कुपोषित बच्चों के उपचार तथा खाद्य पदार्थ में मिलावट की रोकथाम विषयक जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही नगर पालिका पन्ना के सीएमओ को प्रस्तावित नवीन बस स्टैंड एवं दुकान निर्माण संबंधी आवश्यक कार्यवाही के संबंध में भी निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग प्रमुख जमीन आवंटन वाले विषयों पर प्राथमिकता के साथ कार्यवाही करें। इन प्रकरणों को लंबित न रखा जाए। उन्होंने अजयगढ़ में अवैध कॉलोनी निर्माण के विरूद्ध कार्यवाही पूर्ण करने तथा गीता भवन के लिए अन्य भूमि का प्रस्ताव प्रेषित करने के लिए कहा। बैठक में खाद्यान्न उठाव, भंडारण व वितरण एवं परिवहन संबंधी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी एसडीएम एवं जनपद पंचायत सीईओ को अपने क्षेत्र में स्थित गौशालाओं का बारिश पूर्व निरीक्षण कर पशुओं के लिए पेयजल व्यवस्था आदि की समीक्षा के निर्देश दिए। संबंधित विभागों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में क्रियान्वित गतिविधियों की जानकारी भी ली गई। जिला कलेक्टर ने गत अप्रैल माह की सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन पर अधिकारियों को बधाई भी दी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी एवं अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे सहित संयुक्त कलेक्टर नरेन्द्र सिंह धुर्वे एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारी बैठक 27 मई को

पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार की अध्यक्षता में बुधवार, 27 मई को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारी बैठक आयोजित की जाएगी। आगामी दिवसों में मानसून आने की संभावना के दृष्टिगत तथा बाढ़ से निपटने के लिए समय पूर्व बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों के उद्देश्य से बैठक का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपदा प्रबंधन के संबंध में अब तक की गई तैयारियों की जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

खबर संक्षेप

लाखों की खेर की लकड़ी से भरा ट्रक पकड़ा, मामला दर्ज

छतरपुर। वन परिक्षेत्र छतरपुर टीम ने लाखों की खेर की लकड़ी से भरा एक ट्रक मातगुवां के पास पकडकर मामला पंजीबद्ध कर लिया है। जानकारी के अनुसार मुख्य वन संरक्षक नरेश यादव एवं वनमण्डलाधिकारी ऋषि मिश्रा के निर्देशन एवं एसडीओ कार्तिक नायक के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी छतरपुर बुद्ध सेन कोल के हमराह वन स्टाफ के द्वारा सोमवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर मातगुवां वन अवरोध जांच नाका पर एक ट्रक क्रमांक एमपी07 एचबी 1516 को रोककर जांच की गई तो ट्रक में अवैध खैर लकड़ी छिली हुई टुकड़ों में भरी हुई पाई गई। मौके पर वाहन में लकड़ी से संबंधित कोई भी कागजात नहीं पाए गए। एसडीओ कार्तिक नायक ने बताया कि लकड़ी की बाजार मूल्य की कीमत करीब 30 लाख रुपए आंकी गयी है। खैर लकड़ी के अवैध परिवहन करने के चलते ट्रक को मय खैर लकड़ी के जप्त कर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 942/12 दिनांक 25/05/2026 पंजीबद्ध किया गया। ट्रक को वन परिक्षेत्र छतरपुर में सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। उक्त जप्ती की कार्यवाही में बुद्ध सेन कोल वन परिक्षेत्र अधिकारी छतरपुर,परिक्षेत्र सहायक ईशानगर जलज मिश्रा, डालचंद्र अहिरवार वनपाल, विश्वनाथ पटेल वनपाल, राजकुमार प्रजापति वनरक्षक, देवेंद्र अहिरवार वनरक्षक, पवन कुमार शर्मा वनरक्षक, शेख वसीम वनरक्षक, धर्मेंद्र पटेल वनरक्षक, राकेश कुशवाहा शा. वा.चा., प्रमोद अवस्थी शा.वा.चा. शामिल रहे।

हरपालपुर थाने में ईद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

हरपालपुर। आगामी 28 तारीख को मनाए जाने वाले ईद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से हरपालपुर थाना परिसर में शांति समिति की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नवागत नगर निरीक्षक राजेश सिंह सिकरवार ने की।

बैठक के दौरान नगर निरीक्षक श्री सिकरवार ने नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा त्योहार के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर उपस्थित लोगों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने नागरिकों से सुझाव लेते हुए प्रशासन और पुलिस के सहयोग से त्योहार को भाईचारे एवं आपसी सद्भाव के साथ मनाने की अपील की।

नवागत थाना प्रभारी के रूप में यह उनकी पहली शांति समिति बैठक रही, जिसमें उन्होंने नगर के गणमान्य नागरिकों, पार्षदों, समाजसेवियों एवं पत्रकारों से परिचय प्राप्त करते हुए नगर की सुरक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था को लेकर भी खुलकर चर्चा की।

श्री सिकरवार ने कहा कि पुलिस प्रशासन नगर की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सजग है तथा त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। उन्होंने लोगों से आपसी सहयोग बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील भी की। बैठक में पार्षदगण, नगर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

गहरे गड्ढे में गिरने से युवक की हुई मौत

कटनी। बड़वारा थाना क्षेत्र में एक 30 वर्षीय युवक गड्ढे में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना बड़वारा के शेर चौक की है। पुलिस के अनुसार नवीन गुप्ता निवासी रोहनिया का शेर चौक में एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। इस निर्माणाधीन मकान में टायलेट निर्माण के लिये गहरा गड्ढा खोदा गया था। नियमों के मुताबिक किसी भी सार्वजनिक या रिहायशी इलाके में ऐसे निर्माण को ढककर रखना या उसके आसपास बैरिकेडिंग करना अनिवार्य होता है।

ट्रक ने ई-रिक्शा में मारी जोरदार टक्कर, एक ही परिवार के 3 लोगों की दर्दनाक मौत, 5 गंभीर रूप से घायल

छतरपुर।

जिले के थाना मातगुवां के अंतर्गत सागर रोड़ में रविवार की शाम को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 5 लोग घायल हो गए। इस हादसे में तेज रफ्तार ट्रक ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मारी। जानकारी के अनुसार ईशानगर थाना क्षेत्र के हतनाई निवासी करनजू आदिवासी अपने परिवार के साथ नदगांय बट्टन सटई से ई-रिक्शा में सबार होकर अपने घर लौट रहा था इसी दौरान मातगुवां की ओर से आ रहे ट्रक ने सामने से ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। इस हादसे में ई-रिक्शा में बैठी सुमन आदिवासी 16 वर्ष, सोमवती आदिवासी 8 वर्ष और भूरा आदिवासी 5 वर्ष की मौके पर मौत हो गई, मृतक तीनों एक ही परिवार के सदस्य है। वहीं हादसे में करनजू आदिवासी 41 वर्ष, पुत्र बाबूलाल आदिवासी कन्हैया आदिवासी, गेंदा आदिवासी, सहित अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में किशन आदिवासी, निवासी बिजयपुरा सटई भी शामिल है। जो ट्रैक्सी चालक और मृतकों का बहनोई बताया जा रहा है घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में घायलों का ईलाज चल रहा है तो वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। लोगों के अनुसार घटना के समय कुछ समय के लिए अफरा तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया लेकिन ट्राफिक आरक्षक हीरा शर्मा ने ट्रक चालक को एक घर में छिपे होने के दौरान पकड़ लिया। पुलिस ने ट्रक को भी जप्त कर लिया है और चालक के विरूद्व कड़ी कार्यवाही की जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर एसपी भी जिला अस्पताल पहुंचे थे और उन्होंने घटना के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त की।

नहाते समय बहन का पैर फिसला, कुएं में गिरी, बचाने भाई भी कूदा, दोनों की हुई मौत

छतरपुर। जिले क्रे लवकुशनगर थाना अंतर्गत ग्राम बगमऊ में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जिसमें सगे भाई बहन की कुएं मे डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बगमऊ निवासी मुस्कान राजपूत कुएं के पास नहा रही थी लेकिन इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गई, कुएं में गिरने से बह डूबने लगी तभी उसके भाई सत्यजीत ने बहन को कुएं में छटपटाते देख लिया और उसे बचाने के लिए वह बिना किसी प्रकार की परवाह किए तुरंत कुएं में कूद गया। लेकिन बहन के बचाने के चक्कर में भाई भी डूब गया और दोनो भाई बहन की तड़प तड़प कर जान चली गई। सगे भाई बहन की अकाल मृत्यू होने पर पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और पीड़ित परिवार का रो रो कर बुरा हाल ह। घटना की भनक लगते ही भारी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी। जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से दोनो भाई बहन के शव को कुएं से निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया और मर्ग कायम कर जांच मे लिया है। एक ही परिवार के दो सदस्यों की कुएं मे डूबने से मौत होने पर पूरा गांव गहरे शोक में डूबा हुआ है।

आरोपी को शीघ्र कठोर सजा दिलाने उठी मांग

रीवा में जैन संतों को कार से कुचलने की घटना पर जैन समाज में भारी आक्रोश

बड़ामलहरा। रीवा में विहाररत जैन संत आर्यिका 105 उपशममती माताजी एवम श्रुतमती माता जी संसघ को कार से टक्कर मारने की दर्दनाक घटना को लेकर जैन समाज बड़ामलहरा, द्रोणगिर ट्रस्ट कमेटी एवं राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ में भारी आक्रोश व्याप्त है। समाजजनों ने माननीय राष्ट्रपति , देश के प्रधानमंत्री ,गृहमंत्री, मुख्यमंत्री के नाम थाना प्रभारी शिशिर तिवारी को ज्ञापन सौंपते हुए घटना की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच, संतों की सुरक्षा तथा आरोपी को शीघ्र कठोर सजा दिलाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि घटना के सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि एक युवक कार से जा रहा था और अचानक उसने वाहन सड़क किनारे पटरी पर विहार कर रही जैन संत आर्यिका माताजी संसघ की ओर मोड़ दिया। टक्कर मारने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। इस भीषण हादसे में पूज्य आर्यिकाओं का असामयिक निधन हो गया, जिससे पूरे जैन समाज में गहरा दुःख, पीड़ा एवं रोष व्याप्त है।समाजजनों ने आरोप लगाया कि यह केवल सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं लगती, बल्कि उपलब्ध वीडियो एवं परिस्थितियां कई गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। ऐसे में मामले की एसआईटी अथवा न्यायिक जांच कराई जाए तथा घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो एवं डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। दोषियों पर कठोरतम कानूनी कार्रवाई करते हुए यदि किसी षड्यंत्र के तथ्य सामने आते हैं तो गंभीर धाराएं लगाने की मांग भी की गई।जैन समाज ने प्रशासन से यह भी मांग की है कि मामले की सुनवाई ट्रायल कोर्ट में प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए, ताकि जल्द से जल्द आरोपी को कठोर सजा मिल सके और समाज में यह संदेश जाए कि संतों एवं निर्दोष नागरिकों के विरुद्ध इस प्रकार के अपराध किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।ज्ञापन में कहा गया कि जैन साधु-संत पूर्णतः अहिंसक, निहत्थे एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं, जो समाज को शांति, संयम और करुणा का संदेश देते हैं। ऐसे संतों के साथ लगातार बढ़ती दुर्घटनाएं एवं हमले बेहद चिंताजनक हैं।

समाज ने संत सुरक्षा प्रोटोकॉल तत्काल लागू करने की मांग करते हुए विहार मार्गों पर प्रशासनिक समन्वय, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सहयोग, ट्रैफिक नियंत्रण, चेतावनी संकेतक तथा हाईवे एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

वेरिफिकेशन न होने से नाराज अतिथि शिक्षकों ने किया उग्र प्रदर्शन, बोले- हमारे भविष्य पर संकट के बादल...!

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में अतिथि शिक्षकों के अनुभव सत्यापन को लेकर एक बड़ा प्रशासनिक संकट खड़ा हो गया है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की कथित सुस्ती और उदासीनता के कारण हजारों अतिथि शिक्षकों का अनुभव सत्यापन अब तक लंबित है, जबकि आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि समाप्त होने में महज दो-तीन दिन का समय शेष बचा है। वेरिफिकेशन न होने से भड़के नाराज अतिथि शिक्षकों ने सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष के बाहर एकत्रित होकर शिक्षा विभाग की लापरवाही के खिलाफ जमकर नारेबाजी और उग्र प्रदर्शन किया। जिस समय यह प्रदर्शन हुआ, उस दौरान सभाकक्ष के भीतर टीएल बैठक चल रही थी।

हंगामा बढ़ता देख एसडीएम प्रशांत अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारी शिक्षकों से चर्चा की। उन्होंने अतिथि शिक्षकों की जायज मांगों को सुना और उचित प्रशासनिक कार्रवाई का ठोस आश्वासन दिया, जिसके बाद शिक्षक शांत हुए। मामले की गंभीरता को बताते हुए अतिथि शिक्षक शिवा विश्वकर्मा ने कहा कि अनुभव सत्यापन की अंतिम तारीख 28 मई तय की गई है। इसके ठीक पहले शनिवार और रविवार को शासकीय अवकाश होने के कारण दफ्तर बंद रहे और अब अंतिम दिनों के बीच में भी छुट्टियां आ रही हैं। ऐसे में इतने कम समय में हजारों शिक्षकों का वेरिफिकेशन कैसे संभव होगा? अतिथि शिक्षकों का साफ कहना है कि यदि समय रहते उनका सत्यापन कार्य पूरा नहीं हुआ, तो उनके बरसों के अनुभव के अंक पोर्टल पर दर्ज नहीं हो पाएंगे, जिससे वे आगामी चयन प्रक्रिया से पूरी तरह बाहर हो जाएंगे। विभाग की इस लापरवाही ने जिले भर के अतिथि शिक्षकों के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा दिए हैं। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे कई दिनों से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन बाबू और अधिकारियों की उदासीनता के चलते उनकी फाइलों को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है। विभागीय लेती-देती और सुस्ती के कारण आज हजारों शिक्षित परिवारों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ गई है। विभिन्न शिक्षक संगठनों ने जिला प्रशासन को दोटूक चेतावनी दी है कि यदि अगले 24 घंटों के भीतर लंबित अनुभव सत्यापन का कार्य युद्धस्तर पर पूरा नहीं कराया गया, तो पूरे जिले में एक बड़ा और उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह शिक्षा विभाग की होगी। पीड़ित अतिथि शिक्षकों ने प्रदेश शासन और वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सत्यापन की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाया जाए और सभी लंबित मामलों का तत्काल निराकरण किया जाए। गौरतलब है कि छतरपुर जिले में शिक्षा विभाग और अतिथि शिक्षक भर्ती को लेकर पहले भी कई तरह के विवाद और अनियमितताओं के मामले सुर्खियां बटोर चुके हैं।

ससुराल में मारपीट का बदला लेने के लिए युवक ने खाया जहर, मौत से पहले बनाया वीडियो

छतरपुर। छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र अंतर्गत जंगीपुरा गांव के 23 वर्षीय राकेश अहिरवार की जहरीला पदार्थ सेवन करने के बाद मौत हो गई। मौत से पहले राकेश ने एक वीडियो बनाकर ससुराल पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाया। घटना शराब के नशे में पत्नी व मासूम बेटी को तेज धूप में ले जाने की जिद पर हुई बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार राकेश अहिरवार का विवाह दो वर्ष पहले बगौता गांव निवासी प्रेमबाई अहिरवार (20) के साथ हुआ था। दंपति की 7 माह की एक बेटी है, जिसकी तबीयत खराब चल रही थी। राकेश अपनी पत्नी और बेटी को लेने ससुराल पहुंचा।

राकेश के ससुर बब्बू अहिरवार ने बताया कि दामाद शराब के नशे में थे। उन्होंने तेज धूप में बेटी और नाबालिग पोती को ले जाने पर अड़ंगा डाला। जब उन्हें मना किया गया तो गाली-गलौज शुरू कर दी और मारने-मिटाने की धमकियां देने लगे। कुछ देर बाद हाथापाई भी हो गई।

राकेश के जीजाजी और बड़े भाई पहुंचने पर मामला शांत हुआ, लेकिन राकेश गुस्से में वहां से चला गया। थोड़ी देर बाद पता चला कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया है। जब उसे जिला अस्पताल छतरपुर ले जाया जा रहा था, तो रास्ते में बृजपुरा के पास उसकी मौत हो गई।

मृत्यु से पहले राकेश अहिरवार ने मोबाइल में एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने ससुराल पक्ष पर मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। इस वीडियो को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। ससुराल पक्ष का कहना है कि राकेश नशे में थे और बच्ची की हालत को देखते हुए उन्हें ले जाने से मना किया गया था। उन्होंने ही गाली-गलौज और मारपीट शुरू की। बमीठा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

गुमशुदा बेटी का पता लगाने एसपी कार्यालय पहुंचा पिता, युवक पर भगाने का आरोप

छतरपुर। जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दालोन निवासी एक पिता अपनी 19 वर्षीय गुमशुदा बेटी की तलाश को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा। पीड़ित पिता राजू अहिरवार ने पुलिस से बेटी का पता लगाने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। जानकारी के अनुसार राजू अहिरवार की बेटी पवन्ती अहिरवार 21 मार्च 2026 को घर से अचानक लापता हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने सिविल लाइन थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। परिजनों का आरोप है कि गांव का ही सोनू अहिरवार उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया, लेकिन पुलिस रिपोर्ट में युवक का नाम शामिल नहीं किया गया।

खेत में काम कर रही वृद्ध महिला को सांप ने काटा, इलाज के दौरान मौत

छतरपुर। जिले के बड़ामलहरा क्षेत्र में खेत पर कटाई का काम कर रही एक 65 वर्षीय वृद्ध महिला की सांप के काटने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार रूप रानी आदिवासी पति स्वर्गीय कलुआ आदिवासी दोपहर करीब 1 बजे खेत पर कटाई का कार्य कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें किसी जहरीले सांप ने काट लिया। घटना के समय उनकी बहू संतोष रानी आदिवासी भी खेत पर मौजूद थीं। बहू ने जब रूप रानी की हालत बिगड़ती देखी तो तत्काल परिजनों की मदद से उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा उनका उपचार शुरू किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस और संबंधित प्रशासन को दे दी गई है। वृद्ध महिला की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।

जल संरक्षण समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण गंगा दशहरा पर जिलेभर में हुआ श्रमदान

छतरपुर।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जिलेभर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहर की विंध्यवासिनी तलैया पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, क्षेत्रीय विधायक ललिता यादव, नपा अध्यक्ष ज्योति चौरसिया एवं कलेक्टर पार्थ जैसवाल की मौजूदगी में सामूहिक श्रमदान कर तालाब की साफ-सफाई की गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने तालाब की परिक्रमा कर जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में गंगा पूजन के साथ जल संरक्षण पर आधारित लोकगीत भी प्रस्तुत किए गए।

प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशानुसार संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जनभागीदारी के माध्यम से जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए जा रहे हैं। राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि प्रदेशभर में पुरानी बावडिय़ों और तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य अभियान के तहत कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महोबा रोड स्थित विंध्यवासिनी तलैया का भी सौंदर्यीकरण और पुनरुद्धार किया गया है तथा गंगा दशहरा पर पूरे प्रदेश में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हुए हैं।

विधायक ललिता यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन से इस अभियान का शुभारंभ किया, जिसके तहत छतरपुर में भी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा श्रमदान किया गया। वहीं कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने कहा कि जिले की ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समाज और आने वाली पीढिय़ों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत कुओं, बावडिय़ों, नहरों और तालाबों की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार के साथ बंद पड़े बोरवेल और ट्यूबवेल के पास रिचार्ज पिट निर्माण जैसे कार्य भी किए जा रहे हैं, ताकि भू-जल स्तर में सुधार हो सके।

रीवा साध्वी हादसे पर जैन समाज में आक्रोश, एसपी को सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। रीवा में जैन साध्वियों को तेज रफ्तार कार द्वारा टक्कर मारने की घटना के बाद देशभर के जैन समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। 20 मई 2026 को कलेक्ट्रेट के पास पैदल विहार कर रहीं जैन साध्वियों को एक अनियंत्रित कार ने कुचल दिया था। हादसे में साध्वी श्रुतमति माता जी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अन्य साध्वियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है।

घटना के विरोध में जैन समाज के प्रतिनिधियों ने स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। समाजजनों ने आरोपी चालक पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए सख्त सजा दिलाने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि यह केवल एक सड़क हादसा नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही का मामला है, जिसने पूरे जैन समाज को आहत किया है।जैन समाज के लोगों ने कहा कि साध्वीजी अहिंसा, संयम और धर्म का संदेश लेकर विहार कर रही थीं, ऐसे में इस प्रकार की घटना बेहद दुखद और असहनीय है। समाज ने प्रशासन से मांग की है कि दोषी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई कर न्याय सुनिश्चित किया जाए। वहीं, दिवंगत साध्वी को श्रद्धांजलि देने और न्याय की मांग को लेकर जैन समुदाय ने 25 मई 2026 को देशभर में 'मौन न्याय मार्च निकालने का आह्वान किया है। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन शांतिपूर्ण ढंग से शामिल होकर अपनी भावनाएं व्यक्त करेंगे। इसी तरह जिले के सटई, बिजावर, बड़ामलहरा सहित अन्य तहसीलों में भी जैन समाज द्वारा मुख्यमंत्री, गृहमंत्री एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है।

तैईया बांध में डूबने से दो मासूमों की मौत, एक को बचाने गया दूसरा भी डूबा

हरपालपुर। थाना क्षेत्र से सटे उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के महोबकंठ थाना अंतर्गत ग्राम गाड़ो में सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। तैईया बांध में नहाने गए दो मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।जानकारी के अनुसार ग्राम गाड़ो निवासी 11 वर्षीय हृदेश विश्वकर्मा पिता भरत विश्वकर्मा सुबह करीब साढ़े 9 बजे तैईया बांध में नहा रहा था। इसी दौरान वह गहरे पानी में जाने से डूबने लगा। हृदेश को बचाने के प्रयास में 19 वर्षीय निहाल साहू पिता प्रकाश साहू बांध में कूद गया, लेकिन वह भी पानी में डूब गया।दोनों बच्चों को डूबता देख वहां मौजूद एक अन्य बच्चे ने गांव जाकर ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद दोनों को पानी से बाहर निकाला। परिजन और ग्रामीण दोनों को तत्काल हरपालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर 108 एम्बुलेंस की मदद से नौगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया गया।

नौगांव अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर नौगांव थाना पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर जीरो पर मर्ग कायम किया है। दो मासूम बच्चों की एक साथ मौत से पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है।

दो विभागों के बीच फंसा कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम, जिले में 1700 से अधिक कुपोषित बच्चे, आशा कार्यकर्ताओं के स्तर पर भी लापरवाही आ रही सामने, स्व. सहायता समूहों पर गड़बड़ी करने का संदेह

रीवा। सरकार द्वारा कुपोषण दूर करने के उद्देश्य से चलाई जा रही पोषण आहार योजना दो विभागों की आपसी खींचतान में फंस कर रह गई है। यह योजना जमीनी स्तर पर अब अनियमितताओं और कुप्रबंधन का शिकार बनकर रह गई है। इस योजना का लक्ष्य गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, किशोरी बालिकाओं तथा 3 से 6 वर्ष आयु के बच्चों को पोषण आहार उपलब्ध कराना है, किंतु जिले के विकासखंडों में जमीनी हकीकत इसके उलट दिख रही है। कुल मिलाकर कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम रीवा जिले में कागजों तक सीमित रह गया है। आलम यह है कि धरातल पर इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन केवल 10 फीसदी ही हो पा रहा है। स्थिति यह है कि जिले के 2400 आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 लाख 60 हजार से अधिक बच्चे रजिस्टर्ड हैं, जिनमें 1734 बच्चे कुपोषित पाए गए हैं जिन्हें एनआरसी में भेजकर मॉनीटरिंग की जा रही है। इसमें स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त जबाव देही शामिल है। वहीं विभागीय सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जिले के त्योंथर, गंगेव, सिरमौर जवा, सेमरिया, रीवा ग्रामीण में कई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने चोरी छिपे खुद के स्व बना लिए हैं और उन्हीं समूहों के माध्यम से पोषण आहार योजना का वितरण कराया जा रहा है। इससे सहन अनुमान लगाया जा सकता है कि कुपोषण उन्मूलन धरातल पर किस तरह संचालित किया जा रहा है। यही नहीं आंगनबाड़ी में बच्चों की फर्जी

उपस्थिति भी दर्ज की जा रही है। वास्तविक और रिकार्ड में दर्ज आंकड़े स्वयं इसकी पोल खोलते नहर आते हैं। हालांकि जिले के आंगनबाडी केंद्रों पर स्क्रीन का कार्य सतत चल रहा है। अभी 1734 बच्चे कुपोषित की श्रेणी में है जिनको बहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। एनआरसी में भेजकर नियमित मोटरिंग की जा रही है। एक दम से कुपोषण मिटाना बड़ा मुश्किल है, लेकिन प्रयास है कि इसमें कमी लाई जा सके। रीवा जिले में हाई रिस्क जैसे कोई केस नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग से भी तालमेल नहीं बन रहा तालमेल कुपोषित महिला किशोरियों एवं बच्चों की स्क्रीनिंग को लेकर भी महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग में तालमेल नहीं बन पा रहा है। यही वजह है कि कुपोषण नियंत्रण प्रभावशाली नहीं हो पाया है। दरअसल बस्ती में जाकर बच्चों और गर्भवती धात्री महिलाओं एवं किशोरियों का मेजरमेंट करने और उन्हें एनआरसी तक ले जाने पर कार्यकर्ताओं को पारितोषिक के तौर पर कुछ राशि दी जाती है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग भी आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से यही काम लेता है। ऐसे में एनआरसी में कुपोषण के केस को लेकर आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में खींचतान मच जाती है। कुपोषित की मॉनीटरिंग का काम आशा कार्यकर्ताओं का है, लेकिन वे कुपोषण एवं एनीमिक मरीजों को लेकर गंभीरता नहीं दिखाती है। दोनों विभाग में समन्वय का अभाव है जिससे यह स्थिति बनी हुई है। समूह में शामिल होने बीपीएल कार्ड का सहारा महिला एवं बाल विकास विभाग के जानकार बताते है कि कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम का क्रियान्वयन ज्यादातर समूहों के माध्यम से हो रहा है। ऐसे में समूह जिले में स्व सहायता समूहों के गठन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है। संपन्न परिवार गरीबी रेखा के कार्ड बनवाकर समूहों में शामिल हो रहे हैं। ऐसे कई समूह हैं जिनमें अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष वर्षों से बदले ही नहीं गए। जबकि नियम कहता है कि प्रत्येक दो साल में समूह के इन पदों पर काम करने वाले चहरों की अदला बदली कर अन्य सदस्य को अवसर देना चाहिए। जिले में स्व. सहायता समूहों के संचालक इस नियम को दरकिनार कर मनमानी तरीके से अध्यक्ष और सचिव का कार्य निरंतर बनाए हुए हैं।

तकनीकी खराबी की वजह से शहर के कई मोहल्लों की जल सप्लाई ठप

रीवा। भीषण गर्मी के बीच शहर के बड़े हिस्से में रविवार को पानी संकट गहरा गया। कुठुलिया स्थित पंप में आई तकनीकी खराबी और राइजिंग मेन लाइन में लीकेज की समस्या के कारण जलापूर्ति व्यवस्था अचानक प्रभावित हो गई। स्थिति ऐसी बनी कि शाम के समय कई मोहल्लों में नलों से पानी ही नहीं पहुंच सका। जानकारी के मुताबिक कुठुलिया पंप में तकनीकी दिक्कत आने के बाद सप्लाई लाइन बंद करनी पड़ी। इसी दौरान मुख्य राइजिंग मेन पाइपलाइन में भी लीकेज सामने आया, जिससे जलापूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। शाम के वक्त जब लोग रोजमर्रा के कामों के लिए पानी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन नलों में पानी नहीं मिल पा रहा है। गंदे पानी से लोग परेशानइस समस्या से चिरहुला, पीटीएस, नेहरू नगर, समान, रतहरा, बजरंग नगर, पड़रा सहित कई अन्य मोहल्लों के हजारों लोग प्रभावित रहे। कई इलाकों में लोगों को टैंकर और हैंडपंप का सहारा लेना पड़ा, जबकि कुछ जगहों पर पानी भरने को लेकर अफरा-तफरी जैसी स्थिति बनी रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में पहले पानी बचायें जीवन बधाईसे ही पानी की मांग बढ़ी हुई है, ऐसे समय पर सप्लाई बंद होने से परेशानी कई गुना बढ़ गई है। लोगों ने जल्द से जल्द लीकेज सुधारकर नियमित जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी खराबी और लीकेज सुधारने का काम जारी है तथा सोमवार सुबह से जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी। रीवा शहर के निपानिया के बदियान मोहल्ला में पिछले कई दिनों से नलों में गंदा और बदबूदार पानी आने से लोग परेशान हैं। पानी इतना दूषित है कि उसका उपयोग पीने तो दूर, घरेलू कामों में भी करना मुश्किल हो गया है। लगातार गंदा पानी आने से लोगों में बीमारी फैलने की और इंदौर जैसी स्थिति होने की आशंका बढ़ गई है। रहवासियों ने बताया कि इस समस्या की शिकायत पहले भी कई बार संबंधित विभाग से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। गर्मी के मौसम में स्वच्छ पेयजल नहीं मिलने से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि दूषित पानी के कारण पेट संबंधी बीमारियों का खतरा बना है।

बीहर नदी सूखी, 3 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन प्रभावित, 6 दिनों से बंद है बाणसागर पानी, शहर में गहराया जल संकट

रीवा। एक अधेड़ के सिलपरा नहर में गिरने की आशंका को देखते हुए 6 दिन पूर्व बंद कराया गया बाणसागर की सीडब्ल्यूसी नहर का पानी अभी तक शुरू नहीं हो सका है। जिसकी वजह से तीनों जल विद्युत परियोजनाओं में 6 दिनों से बिजली का उत्पादन ठप है। इन परियोजनाओं में 6 दिनों में 3 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हो सका। बाणसागर पानी बंद होने से रीवा में विक्रम पुल के नीचे बीहर नदी सूख गई है। जिसकी वजह से लोगों का आम निस्तार प्रभावित हो गया है। बताया गया है कि 18 मई को एक अधेड़ के सिलपरा नहर में गिरने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने पानी बंद कराया था। अधेड़ का पता अभी तक नहीं चला है, जिससे पानी अभी भी बंद है। इस समय प्रदेश में बिजली की मांग 19 हजार मेगावॉट तक पहुंच गई है, जो काफी अधिक है। जिस समय नहर का पानी बंद किया गया उस समय सीडब्ल्यूसी नहर में 165 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा था। जिससे तीनों जल विद्युत परियोजनाओं में चौबीस घंटे में 50 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा था। पानी 6 दिनों से बंद है, लिहाजा 3 करोड़ यूनिट बिजली नहीं बन सकी। पिछले 6 दिनों से जल विद्युत परियोजना सिलपरा, झिन्ना और टोंस परियोजना सिरमौर की सभी यूनिट बंद पड़ी है। इधर बीहर नदी के सूख जाने से लोगों को आम निस्तार के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। विक्रम पुल के नीचे बीहर की तलछटी दिख रही है। आम निस्तार की पूर्ति करने लोग पानी की वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं।

संजय गाँधी हॉस्पिटल में ठप पड़ा एसी कूलर, परिजन खुद खरीदकर लगा रहे कूलर

तीसरी-चौथी मंजिल के वार्ड बने 'गैस भट्टी सीनियर डॉक्टर नदारद, पीजी छात्रों के भरोसे सैकड़ों मरीजों की जान

रीवा। विंध्य क्षेत्र के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल में व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। 45 डिग्री की भीषण गर्मी में वार्डों में लगे कूलर और सेंट्रल एसी सिस्टम ठप होने से पूरा परिसर भट्टी की तरह तप रहा है। हालात इतने बदतर हैं कि मरीजों की जान संकट में पड़ गई है। अस्पताल की तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर है। गर्मी से मरीजों का दम घुट रहा है और वे पसीने से

तरबतर होकर तड़प रहे हैं। प्रबंधन की लापरवाही से परेशान होकर कई परिजन बाजार से खुद का कूलर खरीदकर वार्डों में लगाने को मजबूर हैं।

सीनियर डॉक्टर गायब, पीजी छात्रों पर जिम्मा

मरीजों और उनके परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वार्डों से सीनियर डॉक्टर पूरी तरह गायब हैं और राउंड लेने नहीं आ रहे। ऐसे में केवल पीजी छात्र ही मरीजों के इलाज और राउंड की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। प्रशासनिक लापरवाही के कारण गंभीर मरीजों को समय पर उचित डॉक्टरी मदद नहीं मिल पा रही है।

पिछले 8 महीनों से रीवा संभाग ई आफिस लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर

रीवा । प्रशासनिक नवाचार के तहत ई आफिस व्यवस्था लागू की गई है। अब कार्यालयों के अंदर तथा अन्य कार्यालयों में फाइलों का संचालन ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। ई आफिस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करके रीवा संभाग में संभागीय रैंकिंग में अक्टूबर माह से लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि रीवा संभाग में कुल 21019 फाइलें ई आफिस में क्रिएट की गईं तथा 80631 फाइलों का मूवमेंट हुआ। प्रदेश में दूसरे स्थान पर नर्मदापुरम संभाग है, जिसमें 6397 फाइलों का क्रिएशन तथा 52058 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। तीसरे स्थान पर ग्वालियर संभाग है। इसमें 3432 फाइलों का क्रिएशन तथा 36951 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। कमिश्नर ने बताया कि प्रदेश स्तर में संभाग और जिलों की सामूहिक रैंकिंग में सभी जिले और संभाग शामिल किए गए हैं। इनकी कुल संख्या 65 है। इस रैंकिंग में रीवा जिला 12वें स्थान पर है। रीवा जिले में 9447 फाइलें क्रिएट हुई हैं तथा 62237 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। रैंकिंग में सिंगरौली जिला 42वें, मऊगंज जिला 52वें, सतना जिला 48वें, सीधी जिला 44वें तथा मैहर जिला 50वें स्थान पर है। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को ई आफिस प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने तथा सभी जिला कार्यालयों में इसे दृढ़ता से लागू कराने के निर्देश दिए हैं। ई आफिस के माध्यम से कम श्रम और कम समय में फाइलों का मूवमेंट और निराकरण हो रहा है। यह सुशासन को मजबूत करने के लिए सराहनीय पहल है।

खबर संक्षेप

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को अटेण्ड न करने पर कलेक्टर ने 11 अधिकारियों को जारी किया नोटिस

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने 11 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को अटेण्ड न करने पर इन अधिकारियों को नोटिस जारी किये गये हैं। नोटिस का तीन दिवस के अंदर जबाव प्रस्तुत नहीं करने तथा कार्य में प्रगति न होने पर सात दिवस का वेतन काटने की कार्यवाही की जायेगी। नोटिस मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के उप नियम में प्रावधानित नियमों के प्रतिकूल होने पर जारी किया गया है। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के शिकायतें अटेण्ड न करने पर एल-1 अधिकारी बीएमओ नईगढ़ी डॉ. आरके पाठक, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम कमलेश ताण्डेकर, कनिष्ठ अभियंता पुष्पेन्द्र तिवारी, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी सुशीला साकेत, सीएमओ मऊगंज राहुल शर्मा, सीएमओ हनुमना अरूण कुमार त्यागी, सीएमओ नईगढ़ी पूजा द्विवेदी, उप संचालक पशुपालन डॉ. जेएल साकेत, पशु चिकित्सा अधिकारी हनुमना डॉ. केके गुप्ता, बीईओ मऊगंज शत्रुध्न प्रसाद मिश्रा और बीईओ हनुमना देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

कमिश्नर की टीएल बैठक आज

रीवा । कमिश्नर बीएस जामोद 26 मई को सुबह 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक में मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं की भी विभागवार समीक्षा की जाएगी। बैठक में गेंहू उपार्जन, पेयजल व्यवस्था, संचारी रोगों से बचाव तथा ई आफिस व्यवस्था की भी समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

खेमसागर तालाब का होगा जीर्णोद्धार, बनेगा घाट : डिप्टी सीएम उप मुख्यमंत्री ने गंगा दशहरा पर जल संरक्षण एवं जन जागरूकता कार्यक्रम में की सहभागिता

रीवा । गंगा दशहरा प्राचीन काल से जल संरक्षण और जल संवर्धन दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। गंगा दशहरा पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा जनपद अन्तर्गत ग्राम लोही के पवित्र खेमसागर तालाब में आयोजित जल संरक्षण एवं जल जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जल संरक्षण अभियान को जन आन्दोलन बनाना है। वर्तमान परिदृश्य में तथा आने वाली पीढ़ी को दृष्टिगत रखते हुए पानी बचाना आवश्यक है। श्री शुक्ल ने कहा कि खेमसागर तालाब का जीर्णोद्धार कार्य कराया जायेगा तथा सुंदर घाट का निर्माण होगा। उन्होंने इस अवसर पर जलपूजन कर गंगा कलश यात्रा में सहभागिता की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हनुमान जी के पवित्र स्थल खेमसागर तालाब से इस अभियान का शुभारंभ हो रहा है। जिससे यह अभियान सफल होगा और रीवा जिले के हर गांव व शहर में जल संरक्षण के कार्य होंगे और जिला संपूर्ण प्रदेश में जल गंगा संरक्षण अभियान में अब्बल होगा। श्री शुक्ल ने कहा कि जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार व संरक्षण के कार्य में आमजनता अधिक से अधिक भागीदारी निभाये और तालाब में उस स्थान की खुदाई की जाय जहां से पानी की आवक हो। अभी जितनी मेहनत से कार्य होंगे उसके सुखद परिणाम सामने आयेंगे।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जमीन से जितना पानी निकालें उससे ज्यादा पानी जमीन में डालें। जल संरक्षण के लिये नदियों के उद्गम स्थल, तालाबों,

पंरपरागत स्त्रोतों की साफ-सफाई व जल संवर्धन के कार्यों के साथ वाटर हार्वेटिंग से जल स्तर में सुधार होगा। श्री शुक्ल ने बताया कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा केएसओआर में पीएचई के मरम्मत के कार्य सरपंच करायें व नल जल योजनाओं का संचालन व संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के हर घर स्वच्छ पानी पहुंचाने का संकल्प पूरा हो रहा है। घर-घर में मीठा पानी पहुंचेगा और पानी से होने वाली बीमारियों नहीं होगी और अस्पतालों की भीड़ भी कम होगी। श्री शुक्ल ने बताया कि गांव-गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है सभी लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें व जांच करायें। उन्होंने जिले वासियों को गंगा दशहरा की शुभकामना देते हुए सुखमय व स्वस्थ जीवन की कामना की। श्री शुक्ल ने खेमसागर में विराजमान हनुमान जी के दर्शन किये। इससे पूर्व संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद प्रवीण पाठक ने बताया कि गंगा दशहरा के अवसर पर जल बचाने की मुहिम में जन सहयोग आवश्यक है। ग्राम व शहरवासी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्साले रहे हैं रीवा शहर में उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से पूर्व में ही कई तालाबों का जीर्णोद्धार व सौन्दर्यीकरण हो चुका है। बीहर रिवर फ्रंट के माध्यम से नदी संरक्षण का कार्य उदाहरण है। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच नीलेश त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, राजेश यादव, भूपेन्द्र सिंह सिंह, राजगोपाल मिश्रचारी, सीईओ जनपद पूनम दुबे, अमित अवस्थी, रश्मी गौतम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन जिला संयोजक जन अभियान परिषद जागेश्वर ताम्रकार ने किया।

पुलिस ने लौटाई मां की खुशी, ऑपरेशन मुस्कान के तहत नोएडा से सकुशल बरामद हुई नाबालिग बालिका

रीवा।

शहर की अमहिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग बालिका को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप है। बेटी के सुरक्षित घर लौटने पर परिजनों के चेहरे पर राहत और खुशी साफ दिखाई दी। मामले के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरियादिया द्वारा थाना अमहिया पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई गई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री बिना किसी को जानकारी दिए घर से चली गई है। शिकायत में बताया गया कि बालिका सुभाष चौक-सिरमौर चौराहा क्षेत्र से ऑटो में बैठकर कहीं चली गई थी, जिसके बाद परिजनों द्वारा उसकी

काफी तलाश की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना अमहिया पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने अपराध क्रमांक के तहत धारा 137(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया और बालिका की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की। थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत लगातार तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य माध्यमों से जांच करते हुए बालिका की लोकेशन ट्रेस की। जांच के दौरान पता चला कि बालिका उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर में मौजूद है। इसके बाद पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वहां पहुंचकर नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बेटी को सकुशल देखकर परिवार के सदस्यों ने राहत की सांस ली और अमहिया पुलिस की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

एजी कॉलेज के सामने वाहनों में तोड़फोड़ कर पैसे मांगने वाले नौ आरोपी गिरफ्तार

रीवा। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एजी कॉलेज के सामने हॉस्टल के पास वाहन चालकों से जबरन पैसे मांगने और विरोध करने पर वाहनों में तोड़फोड़ करने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को फरियादी राजेंद्र सिंह वैस (40) निवासी विंध्य विहार कॉलोनी, पड़रा थाना सिविल लाइन अपने साथियों के साथ थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 24 मई 2026 को वह कनोडिया पेट्रोल पंप से अपनी मारुति फ्रोंक्स कार से अपने साथी के साथ घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार एजी कॉलेज हॉस्टल के सामने पहुंची, सड़क पर मौजूद कुछ युवकों ने वाहन रोक लिया।फरियादी के मुताबिक, आरोपियों ने पहले गाली-गलौज शुरू कर शराब पीने के लिए पैसे मांगे। जब उन्होंने पैसे देने से मना किया तो आरोपियों ने आक्रोशित होकर डंडों से कार पर हमला कर दिया। इसी दौरान हॉस्टल से 3 से 4 अन्य युवक भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने भी पत्थर व डंडों से वाहन पर हमला करना शुरू कर दिया। हमले के दौरान फरियादी की कार का सामने, साइड और पीछे का कांच पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसी बीच वहां से गुजर रही दो अन्य चारपहिया

गाड़ियों को भी आरोपियों ने निशाना बनाया और डंडे-पत्थरों से हमला कर उनमें भी तोड़फोड़ की। घटना से मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों और वाहन चालकों में दहशत फैल गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना सिविल लाइन पुलिस ने तत्काल अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस टीम ने एजी कॉलेज हॉस्टल में दबिश देकर कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सुनील डाबर (20), जिला धार,राम यादव (20), जिला खरगोनअर्पित चौहान (22), जिला खरगोनकमलेश अलावे (24), जिला बड़वानी लवेश मालवीय (22), जिला इंदौरमनोज इश्के (25), जिला धार रामनिवास पाटीदार (23), जिला रतलाम सचिन अंचल (24), जिला धार बादल मंडलोई (21), जिला खरगोन शामिल है सभी आरोपी वर्तमान में जगदीश चंद्र बसु छात्रावास, कृषि महाविद्यालय रीवा में रह रहे थे।

लापता सिक्योरिटी गार्ड का यूपी में मिला संदिग्ध शव, हत्या की आशंका 18 मई को ड्यूटी के लिए निकला था युवक, सात दिन से था लापता

रीवा।

रीवा शहर के सिटी कोतवाली थाने में दर्ज सिक्योरिटी गार्ड की गुमशुदगी का मामला अब हत्या की आशंका की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश तक युवक की तलाश में जुटी पुलिस को तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर एक अहम सुराग हाथ लगा है। पुलिस जिस लोकेशन तक पहुंची, वहां एक युवक का शव बरामद हुआ है, जिसके बाद पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। जानकारी के अनुसार, निपानिया निवासी अनूप सेन 18 मई को अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से ड्यूटी के लिए घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद 20 मई की देर रात करीब 1:30 बजे सिटी कोतवाली थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी।प्रारंभिक स्तर पर पुलिस ने युवक के दोस्तों, परिचितों और संभावित स्थानों पर उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, मामला संदिग्ध प्रतीत होने

लगा। इसके बाद पुलिस ने युवक के संपर्कों और उसके साथ रहने वाले लोगों की जानकारी एकत्रित की तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसकी गतिविधियों को खंगालना शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि गुमशुदा अनूप सेन और उसके एक साथी की अंतिम लोकेशन उत्तर प्रदेश के कर्वी क्षेत्र स्थित रैयपुरा इलाके में मिली थी। इस सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय थाना पुलिस से संपर्क किया। वहां जानकारी मिली कि जंगल क्षेत्र से एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया था। शव की पहचान के लिए पुलिस टीम के साथ अनूप सेन के परिजनों को भी ले जाया गया। परिजनों ने शव के कपड़ों और जूतों के आधार पर उसकी पहचान अनूप सेन के रूप में की है। हालांकि परिवार के कुछ सदस्य अभी भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं और पहचान को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। मामले को लेकर सीएसपी राजीव पाठक ने बताया कि पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। फिलहाल युवक के साथ आखिरी समय में मौजूद रहे साथी की तलाश में पुलिस लगातार छापामार कार्रवाई कर रही है। पुलिस को उस बुलेट मोटरसाइकिल के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, जिसे लेकर अनूप सेन घर से निकला था। पुलिस को आशंका है कि मामले का मुख्य सुराग उसी वाहन और युवक के साथी से जुड़ा हो सकता है।बताया जा रहा है कि जिस संदिग्ध युवक की तलाश की जा रही है, वह नशे का आदी है पुलिस अब मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में समन्वय बनाकर आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

जल संरक्षण से संवरेगा भविष्य - सांसद जनार्दन मिश्रा

गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में, कलेक्टर ने दिलाई जल और स्वच्छता की शपथ, गंगा दशहरा पर जल उत्सव का आयोजन

मऊगंज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर प्रदेश भर में चलाए जा रहे जल संरक्षण एवं संवर्धन अभियान तथा प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के पावन उद्देश्य को लेकर गंगा दशहरा के अवसर पर जिले भर में व्यापक स्तर पर जल संरचनाओं के पुनरुद्धार के कार्य किए गए। इसी कड़ी में मऊगंज जिला अंतर्गत ग्राम मटियरा में आयोजित जिला स्तरीय 'जल उत्सव' कार्यक्रम में सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने विधि-विधान से जल पूजन कर अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने कहा कि पानी जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने 'कैच द रेन' की अवधारणा पर बल देते हुए ग्रामीणों से आह्वान किया कि हमें सामूहिक प्रयासों से यह सुनिश्चित करना होगा कि गांव का पानी गांव में और शहर का पानी शहर में ही संरक्षित हो। जल स्त्रोतों का संरक्षण केवल सरकारी कार्य नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन बनना चाहिए। सांसद ने कहा की कि ग्राम मटियरा स्थित ठाकुरताला तालाब का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इसके साथ ही ग्रामीणों की सुविधा हेतु तालाब में पक्के घाटों का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे यह प्राकृतिक धरोहर अपने पुराने स्वरूप में लौट सके। इस अवसर पर बताया गया कि शासन की महत्वाकांक्षी 'जल जीवन मिशन' योजना

के तहत जहां एक ओर हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर जल स्त्रोतों की निरंतरता बनाए रखना भी इस मिशन का अभिन्न हिस्सा है। जल जीवन मिशन के तहत बिछाई जा रही पाइपलाइनों और नलों की सार्थकता तभी है जब हम तालाबों, बावड़ियों और कुओं को संरक्षित कर धरती की कोख को दोबारा पानी से भरें बल्कि समुदाय को जल प्रबंधन के प्रति जागरूक करें ताकि जल स्त्रोतों का दोहन न हो, बल्कि संवर्धन हो। सांसद श्री मिश्रा ने परमज्योति माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात वे भव्य गंगा कलश यात्रा में भी सम्मिलित हुए, जो जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से निकाली गई थी। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीण जनों को जल संरक्षण के कार्यों में श्रमदान करने और जल जीवन मिशन के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेंद्र मिश्रा, एडीएम पीके पांडेय, एसडीम मऊगंज एपी द्विवेदी,सहित प्रशासनिक अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जैन समाज ने रीवा में आर्यिकाओं के साथ घटी हृदय विदारक घटना के विरोध में मौन रैली निकाल कर ज्ञापन सौंपा

रीवा। दिगंबर जैन पंचायत सभा, जैन नवयुवक सभा,एवं श्वेतांबर जैन समाज के आह्वान पर रीवा में हुई सड़क दुर्घटना में दो महिला साध्वी को कार से द्वारा टक्कर मारने से मृत्यु हो जाने पर कमानिया गेटसे गंजीपुरा होते हुए सिविक सेंटर में मौन रैली का समापन हुआ, वहां पर उपस्थित अतिरिक्त जिलाधीश ऋषभ जैन को मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री नाम पर ज्ञापन सोपा गया, जिसमें आर्यिकाओं के साथ घटित घटना का उल्लेख किया गया, जैन समाज ने उपरोक्त प्रकरण की निष्पक्ष पारदर्शी एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग की है,इसके साथ ही साथ इस प्रकरण की एसआईटी द्वारा जांच तथा घटना से संबंधित सभी सीसीटीवी क्लिपिंग एवं डिजिटल साक्ष्य को सुरक्षित रखे जाने, दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए। जैन समाज ने यह भी मांग की है कि बिहार मार्गों पर पुलिस समन्वय हो, संवेदनशील मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था हो,यातायात नियंत्रण हो हाईवे पर स्पीड स्पीड कंट्रोल हो,धार्मिक पदयात्रियों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर स्पष्ट गाइडलाइन बनाई जाए,साथ ही साधु संतों पर होने वाले प्रहारों को विशेष संवेदनशील अपराध घोषित किया जाए। राष्ट्रीय संत सुरक्षा राष्ट्रीय नीति बनाई जाए जिसमें पैदल बिहार करने वाले साधु संतों के लिए राष्ट्रीय गाइडलाइन सुरक्षा एसओपी तथा संवेदनशील मार्गो हेतु विशेष प्रावधान निर्मित किए जाएं।संतों के विरुद्ध अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में रखा जाए,क्योंकि साधु संत आत्मरक्षा नहीं करते,वाहन या सुरक्षा साधनों का उपयोग नहीं करते. तथा पूर्णता अहिंसक जीवन जीते हैं। प्रशासन एवं समाज के बीच समन्वय तंत्र बने,एवं आपातकालीन संपर्क व्यवस्था निर्मित की जाए। महोदय जैन समाज सदैव शांति अहिंसा कानून और संवैधानिक मर्यादाओं में विश्वास रखता है,हमारा उद्देश्य किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न करना नहीं है बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना एवं तपस्वी संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, मौन रैली के पूर्व कमानिया गेट पर मुनि द्वय श्री निष्कांप सागर जी एवं मुनि श्री निष्काम सागर जी महाराज ने संबोधित किया मौन रैली में बहुतायक जैन धर्म लंबी उपस्थिति थे।